Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to extend Bundelkhand region like benefits to Kanpur Nagar and Kanpur Dehat districts along river Yamuna in Uttar Pradesh.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर): मैं सरकार को अवगत कराना चाहता हूँ कि मेरे द्वारा 16वीं लोकसभा के गठन के बाद से ही कानपुर नगर एंव देहात के यमुना तटवर्ती इलाकों को बुन्देलखण्ड के समतुल्य परिस्थितियों के कारण उसे बुन्देलखण्ड जैसी विकास सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की मांग की जाती रही है। ज्ञातव्य है कि मैंने सर्वप्रथम 23.04.2015 एवं 02.12.2015 को लोकसभा में नियम 377 के तहत आगरा, इटावा, औरैया, कानुपर देहात एवं कानपुर नगर, फतेहपुर और इलाहाबाद जनपदों की भौगोलिक, प्राकृतिक, वानस्पतिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों को बुन्देलखण्ड के समान बताया गया था। जहां तक कि मिट्टी और जल की किस्म और स्तर, फसलें और वनस्पतियाँ बुन्देलखण्ड से निम्न स्तरीय है शायद उक्त क्षेत्रों की बुन्देलखण्ड से समानता के कारण ही कृषि जोत सीमा यमुना की गहरी धारा से 16 किमी उत्तर की ओर बुन्देलखण्ड के समान ही रखी गई है लेकिन सूखा राहत एवं अन्य सुविधाओ के आवंटन में इस क्षेत्र को बुन्देलखण्ड के समतुल्य तो क्या दशमांश सुविधाएँ भी नहीं मिल पाती हैं। मेरे द्वारा बार-बार मामला सरकार तक पहुँचानेके बावजूद यह मुद्दा केंद्र और राज्य के मध्य झूल रहा है जनता की बेइंतहां तकलीफों के बावजूद राज्य सरकार ने हाथ खड़े कर दिए हैं।

अत: मैं केन्द्र सरकार से मांग करना चाहूँगा कि नीति आयोग या किसी अन्य सक्षम विभाग की टीम भेजकर इन यमुना तटवर्ती जिलों की दुश्वारियों का आकलन करा लिया जाए और अगर परिस्थितियाँ बुन्देलखण्ड जैसी ही विषम हैं तो इस मसले को राज्य और केन्द्र के मध्य झुलाने के बजाए जनता की राहत के लिए सीधे और सधे हुए कदम उठाए जाएँ।